नईदुनिया

गुजरात और केरल में रेड अलर्ट, कई स्थानों पर बाढ़ और भूस्खलन जैसी स्थिति

भारी बारिश से कई राज्यों में जनजीवन प्रभावित

सूरत में 24 घंटे में 24 इंच वर्षा, केरल में भूस्खलन से चार की मौत, अमरनाथ यात्रा स्थगित

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः देश के कई राज्यों में लगातार हो रही भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया है। गुजरात और केरल में सबसे अधिक असर देखने को मिला है, जहां कई स्थानों पर बाढ़ और भूस्खलन जैसी स्थिति बन गई है।

भारतीय मौसम विभाग ने शनिवार को गुजरात और केरल के कई जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि राजस्थान, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, बिहार सहित कई अन्य राज्यों में ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया गया है।

गुजरात में शुक्रवार को हुई मूसलाधार बारिश के कारण कई जिलों में जलभराव और बाढ़ जैसे हालात बन गए। सूरत में पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे अधिक 24 इंच वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा राज्य के 12 अन्य क्षेत्रों में 10 इंच से अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई, जिससे सामान्य जनजीवन और यातायात प्रभावित हुआ।

केरल में लगातार हो रही वर्षा के कारण इडुक्की और कोट्टायम जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं हुईं। इन हादसों में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। राहत और बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों में अभियान चला रहे हैं। मौसम विभाग ने पूर्वी राजस्थान, मध्य महाराष्ट्र, गोवा और कर्नाटक के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

वहीं पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली और बिहार सहित 12 राज्यों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। लोगों को आवश्यक सावधानी बरतने और मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करने की सलाह दी गई है।

भारी वर्षा के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग भी बंद कर दिया गया है। इसके चलते जम्मू से अमरनाथ यात्रा अस्थायी रूप से स्थगित कर दी गई है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में लगातार बारिश के कारण प्रशासन ने एहतियातन केदारनाथ यात्रा भी रोक दी है।

दक्षिण कन्नड़ जिले में ऑरेंज अलर्ट के मद्देनजर स्कूलों और कॉलेजों में अवकाश घोषित किया गया है। वहीं असम में बाढ़ प्रभावितों की सहायता के लिए उद्योगपति गौतम अडाणी ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 11 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी कई क्षेत्रों में भारी से अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना जताई है और स्थानीय प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं।

खेत से निकले मगरमच्छ को कंधे पर उठाकर थाने पहुंचा किसान

सुपौल में करीब पांच फीट लंबे मगरमच्छ को पकड़कर पुलिस और वन विभाग को सौंपा, वीडियो वायरल

नईदुनिया ब्यूरो, सुपौलः बिहार के सुपौल जिले में एक किसान की बहादुरी उस समय चर्चा का विषय बन गई, जब उसने धान के खेत से निकले करीब पांच फीट लंबे मगरमच्छ को पकड़कर अपने कंधे पर उठाया और सीधे थाने पहुंच गया। किसान को मगरमच्छ के साथ थाने पहुंचते देख पुलिसकर्मी भी कुछ देर के लिए हैरान रह गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मगरमच्छ धान के खेत में दिखाई देने के बाद आसपास के लोगों में दहशत फैल गई थी। ग्रामीणों ने उसे घेर लिया, जिसके बाद किसान ने साहस दिखाते हुए मगरमच्छ को काबू में कर लिया। इसके बाद वह उसे लेकर थाने पहुंचा, ताकि वन विभाग को सूचना देकर सुरक्षित रेस्क्यू कराया जा सके। पुलिस ने वन विभाग को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद मगरमच्छ को उनके सुपुर्द कर दिया गया। अधिकारियों ने उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाने की प्रक्रिया शुरू की। घटना के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए और पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाते रहे, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

छह महीने में सीएए के लंबित आवेदनों का होगा निपटारा : शुभेंदु अधिकारी

300 लोगों को नागरिकता प्रमाण पत्र वितरित, कहा- कानून नागरिकता देने के लिए है, छीनने के लिए नहीं

नईदुनिया ब्यूरो, कोलकाताः पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत लंबित सभी आवेदनों का निपटारा अगले छह महीनों में कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कानून नागरिकता प्रदान करने के लिए बनाया गया है, किसी की नागरिकता छीनने के लिए नहीं।

न्यू टाउन में आयोजित नागरिकता प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उत्तर 24 परगना जिले के मतुआ समुदाय के लगभग 300 लोगों को नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार ने राजनीतिक कारणों से इस कानून को लेकर लोगों के बीच भ्रम फैलाया था।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक राज्य में सीएए के तहत 23,956 नागरिकता प्रमाण पत्र जारी किए जा चुके हैं। इनमें नई सरकार बनने के बाद पिछले 11 सप्ताह में जारी किए गए 5,966 प्रमाण पत्र भी शामिल हैं। राज्यभर से कुल 2,30,605 आवेदन प्राप्त हुए हैं। नादिया जिले में सबसे अधिक 10,191 लाभार्थियों को नागरिकता प्रमाण पत्र मिले हैं, जबकि उत्तर 24 परगना में 8,930 लोगों को इसका लाभ मिला है।

उन्होंने कहा कि सीएए के तहत पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के पात्र लोगों को नागरिकता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि पात्र आवेदकों को कानून के अनुसार सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

250 किलोमीटर तक खींची जा रही अनोखी कांवड़

दिल्ली पुलिस के जवान का अनूठा प्रयास, युवाओं को व्यायाम और स्वास्थ्य के प्रति कर रहे प्रेरित

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः सावन माह में हरिद्वार से दिल्ली तक निकाली जा रही एक अनोखी कांवड़ यात्रा लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। दिल्ली पुलिस के एक जवान ने युवाओं को फिटनेस के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष रूप से तैयार की गई 'जिम वाली कांवड़' के साथ लगभग 250 किलोमीटर की यात्रा शुरू की है।

इस पहल का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली का संदेश देना है। कांवड़ को इस प्रकार तैयार किया गया है कि उसमें व्यायाम से जुड़े उपकरणों की झलक दिखाई देती है। यात्रा के दौरान जवान विभिन्न स्थानों पर युवाओं से संवाद कर

उन्हें नियमित व्यायाम, शारीरिक सक्रियता और अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनका कहना है कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में फिट रहना प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक है और युवाओं को नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रहकर स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए। हरिद्वार से दिल्ली की ओर बढ़ रही यह अनूठी कांवड़ यात्रा मार्ग में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के बीच भी चर्चा का विषय बनी हुई है।

बड़ी संख्या में लोग इसे देखने के लिए रुक रहे हैं और इसके साथ तस्वीरें भी खिंचवा रहे हैं।

यात्रा का उद्देश्य धार्मिक परंपरा के साथ सामाजिक संदेश को जोड़ना है। दिल्ली पुलिस के जवान का मानना है कि यदि युवा नियमित व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं तो वे शारीरिक और मानसिक रूप से अधिक स्वस्थ रह सकते हैं। इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए यह विशेष कांवड़ यात्रा निकाली जा रही है।

अमेरिका में एफ-35बी लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त

सैन डिएगो के पास हादसा, पायलट सुरक्षित इजेक्ट, दुर्घटना की जांच शुरू

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसीः अमेरिका के सैन डिएगो में शुक्रवार सुबह मरीन कॉर्प्स का एफ-35बी स्टील्थ लड़ाकू विमान मिरामार एयर बेस के निकट दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के बाद विमान में आग लग गई, जिसे दमकल कर्मियों ने नियंत्रित कर लिया।

मरीन कॉर्प्स के अनुसार पायलट समय रहते इजेक्ट कर सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहा। उसे मामूली चोटें आई हैं और उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अमेरिकी अधिकारियों ने इस दुर्घटना को 'क्लास-ए मिसहैप' घोषित किया है। यह सैन्य विमान दुर्घटनाओं की सबसे गंभीर श्रेणी मानी जाती है। इस श्रेणी में ऐसे हादसे शामिल होते हैं, जिनमें विमान पूरी तरह नष्ट हो जाए, 20 लाख डॉलर से अधिक का नुकसान हो या किसी सैनिक की मृत्यु हो। एफ-35बी दुनिया के

सबसे आधुनिक स्टील्थ लड़ाकू विमानों में शामिल है। इसकी प्रमुख विशेषता यह है कि यह कम दूरी से उड़ान भरने के साथ हेलीकॉप्टर की तरह सीधी वर्टिकल लैंडिंग भी कर सकता है। इस विमान का उपयोग अमेरिकी मरीन कॉर्प्स, नौसेना और वायुसेना द्वारा विभिन्न अभियानों में किया जाता है। इसकी अनुमानित कीमत लगभग 109 मिलियन डॉलर बताई जाती है। यह पिछले एक महीने के भीतर मरीन कॉर्प्स के एफ-35बी लड़ाकू विमान से जुड़ी दूसरी बड़ी दुर्घटना है। इससे पहले वॉशिंगटन में भी इसी श्रेणी का एक विमान हादसे का शिकार हुआ था। ताजा दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जानकारी सामने आएगी।

रिश्वत मांगने के आरोप पर मंत्री ने तत्काल निलंबन के दिए निर्देश

नईदुनिया ब्यूरो, पटनाः बिहार में जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान एक डाटा एंट्री ऑपरेटर पर 50 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप सामने आने के बाद तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। शिकायतकर्ता ने मंत्री के समक्ष आरोप लगाया कि संबंधित ऑपरेटर ने कार्य करने के बदले 50 हजार रुपये की मांग की है। शिकायत सुनते ही मंत्री ने मामले का संज्ञान लिया और संबंधित अधिकारियों को डाटा एंट्री ऑपरेटर को एक घंटे के भीतर निलंबित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने अधिकारियों से मामले की विस्तृत जांच कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि जांच में रिश्वत मांगने के आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित कर्मचारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ आवश्यक कानूनी प्रक्रिया भी अपनाई जाएगी।

रूस का कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल हमला, चार की मौत

कीव, एजेंसीः रूस ने शनिवार सुबह यूक्रेन की राजधानी कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया, जिसमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 अन्य घायल हो गए। स्थानीय प्रशासन के अनुसार घायलों में 13 और 17 वर्ष के दो किशोर भी शामिल हैं। हमले के बाद राजधानी के कई इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कीव के मेयर विताली क्लिट्स्को ने टेलीग्राम के माध्यम से नागरिकों से तत्काल सुरक्षित बंकरों में जाने की अपील की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ ही मिनटों के भीतर शहर में 10 से अधिक तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दीं, जिससे कई क्षेत्रों में वाहनों के अलार्म बजने लगे और लोगों में दहशत फैल गई।

संयुक्त राष्ट्र ने हाल ही में जारी अपनी रिपोर्ट में कहा था कि जून 2026 यूक्रेन के नागरिकों के लिए अप्रैल 2022 के बाद सबसे घातक महीना रहा। रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान रूस की ओर से मिसाइल और ड्रोन हमलों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, जिससे नागरिक हताहतों की संख्या बढ़ी है।

दूसरी ओर यूक्रेन ने भी हाल के महीनों में रूस के भीतर अपने जवाबी हमले तेज किए हैं। दोनों देशों के बीच चार वर्ष से अधिक समय से जारी युद्ध लगातार नए सैन्य अभियानों और हमलों के साथ आगे बढ़ रहा है। ताजा हमले के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता बढ़ा दी गई है, जबकि राहत एवं बचाव दल प्रभावित इलाकों में अभियान चला रहे हैं।

सीएपीएफ अधिनियम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के करीब तीन हजार अधिकारियों ने हाल ही में लागू सीएपीएफ (सामान्य प्रशासन) अधिनियम की कुछ धाराओं को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। याचिका में अधिकारियों ने दावा किया है कि नए कानून के कारण उनके करियर में पदोन्नति और आगे बढ़ने के अवसर सीमित हो जाएंगे। याचिकाकर्ताओं में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और सशस्त्र सीमा बल के अधिकारी शामिल हैं। नए अधिनियम में किए गए प्रावधान उनके सेवा हितों के अनुरूप नहीं हैं। याचिका में यह भी कहा गया है कि मई 2025 में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के निर्देशों को नए अधिनियम में प्रभावी रूप से लागू नहीं किया गया है। अधिकारियों का आरोप है कि नए कानून से उन्हें अपेक्षित न्याय नहीं मिला है। सुप्रीम कोर्ट के अभिलेखों के अनुसार मामले की सुनवाई अगले सप्ताह होने की संभावना है। अदालत में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता कानून की संबंधित धाराओं को चुनौती देने के आधार प्रस्तुत करेंगे।

हादसा

पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान में हिमस्खलन की चपेट में आए, छह महीने में 14 चोटियां फतह कर बनाया था विश्व रिकॉर्ड...

प्रसिद्ध पर्वतारोही निर्मल पुर्जा का हिमस्खलन में निधन

वॉशिंगटन/इस्लामाबाद/काठमांडू, एजेंसी : विश्व प्रसिद्ध पर्वतारोही निर्मल पुर्जा का पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में ब्रॉड पीक पर चढ़ाई के दौरान हिमस्खलन की चपेट में आने से निधन हो गया। उनकी पर्वतारोहण कंपनी एलीट एक्सपेडिशंस ने उनके निधन की पुष्टि की है।

यह हादसा 30 जुलाई को काराकोरम पर्वतमाला में स्थित 8,051 मीटर ऊंची ब्रॉड पीक पर लगभग 7,000 मीटर की ऊंचाई पर हुआ। इस दुर्घटना में निर्मल पुर्जा सहित 10 पर्वतारोही लापता हो गए थे, जिनमें छह नेपाली पर्वतारोही शामिल थे। बाद में उनका शव हेलिकॉप्टर की सहायता से नीचे लाया गया।

निर्मल पुर्जा नेपाल और अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोहण जगत में 'निम्स दाइ' के नाम से प्रसिद्ध थे। वर्ष 2012 में उन्होंने ब्रिटिश नागरिकता ग्रहण की थी, जिसके बाद उनकी नेपाली नागरिकता समाप्त हो गई थी।

वर्ष 2019 में उन्होंने 'प्रोजेक्ट पॉसिबल' के तहत दुनिया की 8,000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली सभी 14 चोटियों को मात्र छह महीने और छह दिन में फतह

कर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने दक्षिण कोरिया के पर्वतारोही किम चांग-हो का पूर्व रिकॉर्ड तोड़ दिया था। ब्रॉड पीक पर यह उनका तीसरा अभियान था। उन्होंने पहली बार वर्ष 2019 और दूसरी बार वर्ष 2023 में इस शिखर को सफलतापूर्वक फतह किया था। वर्ष 2023 में उन्होंने बिना सप्लीमेंट ऑक्सीजन के चढ़ाई पूरी की थी और पाकिस्तान की पांचों 8,000 मीटर से अधिक ऊंची चोटियों को केवल 26 दिनों में फतह कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया था।

25 जुलाई 1983 को नेपाल के म्याग्दी जिले में जन्मे निर्मल पुर्जा ने ब्रिटिश सेना की गोरखा रेजिमेंट में सेवा दी और बाद में ब्रिटिश रॉयल नेवी की स्पेशल बोट सर्विस में शामिल होने वाले पहले नेपाली बने। वर्ष 2018 में उन्होंने पर्वतारोहण को पूर्णकालिक रूप से अपनाने के लिए सैन्य सेवा छोड़ दी थी।

निर्मल पुर्जा को वर्ष 2021 में नेटफ्लिक्स की डॉक्यूमेंट्री *14 पीक्स: नथिंग इज इम्पॉसिबल* से वैश्विक पहचान मिली। उन्होंने वर्ष 2020 में *बियॉन्ड पॉसिबल* नाम से अपनी आत्मकथा भी प्रकाशित की थी। पर्वतारोहण जगत में उनकी उपलब्धियों और साहसिक अभियानों को लंबे समय तक याद किया जाएगा।